भव सु पार उतारो गुरासा भजन लिरिक्स

भव सु पार उतारो गुरासा,

बंधीयो जीव मारो अशुभ कर्म में,
बंधीयो जीव मारो अशुभ कर्म मे,
माया रो बंधीयो जालो ए हा,
सोहन थाल भरीयो पृथ्वी मे,
सोहन थाल भरीयो पृथ्वी मे,
ज्यारो पकडो लारो गुरासा,
भव सु पार उतारों ए हा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
घट में दया विचारो ए हा।bd।

गुण है एक अवगुण घणा भरीया,
गुण है एक अवगुण घणा भरीया,
करनी रे सामी क्यो भालो ए हा,
मुझ पर महर करो मेरे दाता,
मुझ पर महर करो मेरे दाता,
बनकर हंस ऊबारो गुरासा,
भव सु पार उतारों ए हा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
घट में दया विचारो ए हा।bd।

इन्द्र आप मोर ज्यु मै हूँ,
इन्द्र आप मोर ज्यु मै हूँ,
बोलन रो हक है मारो ए हा,
मारी बोली पर नही बरसो तो,
मारी बोली पर नही बरसो तो,
नही लागे जोर हमारो गुरासा,
भव सु पार उतारों ए हा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
घट में दया विचारो ए हा।bd।

दुर्बल मै तो कहिजु राज रो,
दुर्बल मै तो कहिजु राज रो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

चाहे मारो चाहे तारो ए हा,
कहे दुराराम सेन सतगुरु री,
कहे दुराराम सेन सतगुरु री,
दिल में दया विचारो गुरासा,
भव सु पार उतारो ए हा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
कदेनी भूलू गुण थारो गुरासा,
घट में दया विचारो ए हा।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com